भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 297*
05 अगस्त, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

नए योग प्रशिक्षण केन्द्र

***297. श्रीमती गीता कोडा:**
श्रीमती लॉकेट चटर्जी:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान देश भर में स्थापित किए गए नए योग प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या झारखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, बिहार और मध्य प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कितनी है;
(ख) जिन स्थानों पर ये केंद्र स्थापित किए गए हैं, उनके नाम जिला-वार क्या हैं;
(ग) क्या सरकार ने योग प्रशिक्षकों की संख्या बढ़ाने और लोगों के बीच योग को लोकप्रिय बनाने के लिए कोई योजना बनाई है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

लोक सभा में 05 अगस्त, 2022 को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या 297* के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख): चूंकि जन-स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए योग प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना करना राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है।

(ग) और (घ): आयुष मंत्रालय अपने तीन स्वायत्त निकायों नामत: मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली, केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से योग को बढ़ावा देता है। एमडीएनआईवाई योग शिक्षा के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। सीसीआरवाईएन योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास के लिए शीर्ष निकाय है। एनआईएन, जो प्राकृतिक चिकित्सा के लिए प्रमुख संस्थान है, प्राकृतिक चिकित्सा और योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। एमडीएनआईवाई, सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियां और कार्यक्रम क्रमशः yogamdniy.nic.in, www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं।

आयुष मंत्रालय ने योग पेशेवरों के प्रमाणन और विभिन्न श्रेणियों के तहत संस्थानों के प्रत्यायन के लिए एक योग प्रमाणन बोर्ड (वाईसीबी) की स्थापना की है। आजादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, एमडीएनआईवाई और वाईसीबी ने योग स्वयंसेवक प्रमाण पत्र के लिए 36 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत 1.5 लाख लोगों को प्रशिक्षित करने की उम्मीद है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। आयुष मंत्रालय हर साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाने के लिए नोडल मंत्रालय है। आईडीवाई का आयोजन सामान्य योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) पर आधारित एक सामूहिक योग प्रदर्शन पर केंद्रित होता है जो योग पोर्टल (yoga.ayush.gov.in) पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

21 जून, 2016 को यानी दूसरे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के अवसर पर, माननीय प्रधान मंत्री ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर योग के विकास और संवर्धन में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार की घोषणा की। पुरस्कार निम्नलिखित चार श्रेणियों में दिए जाते हैं:

i. राष्ट्रीय व्यक्तिगत
ii. राष्ट्रीय संगठन
iii. अंतर्राष्ट्रीय व्यक्तिगत
iv. अंतर्राष्ट्रीय संगठन

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय योग सहित देश में विभिन्न आयुष पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन(एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है और उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव भेजकर वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत, आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से 12,500 आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों (एचडब्ल्यूसी) का प्रचालन कार्यान्वित कर रहा है। इन आयुष एचडब्ल्यूसी में, योग्य योग प्रशिक्षकों द्वारा समुदाय-आधारित उपचार के रूप में सामान्य स्वास्थ्य संवर्धन के लिए जनता को योग सिखाया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, मंत्रालय द्वारा एक सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) स्कीम भी तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत योग और प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लोगों तक पहुंच बनाने के उपायों को शामिल किया गया है। आईईसी गतिविधियों में सार्वजनिक कार्यक्रमों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, शिविरों का आयोजन और टीवी, रेडियो, प्रिंट-मीडिया आदि पर कार्यक्रम शामिल हैं।

*****